भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं.1771 का उत्तर

स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों का विपणन

1771. श्रीमती संध्या राय:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के कई रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और महिला स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) के उत्पादों के विपणन के लिए पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय उत्पादों के लिए स्थायी विपणन केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या दतिया और भिंड क्षेत्र के स्थानीय उत्पादों को भी उक्त व्यवस्था से जोड़े जाने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल मंत्रालय द्वारा 'एक स्टेशन एक उत्पाद' (ओएसओपी) योजना शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य भारत सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना, स्थानीय/स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराना और रेल यात्रियों को इन उत्पादों को खरीदने का अवसर देना है, जिससे वे भारत की समृद्ध धरोहर का अनुभव कर सकें। इस योजना के अंतर्गत इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पिरामिड में सबसे निचली श्रेणी के

व्यक्तियों, वंचितों और कमजोर वर्गों तथा स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने की भी परिकल्पना की गई है।

इस योजना का लक्ष्य देशभर में रेलवे स्टेशनों पर बिक्री केंद्रों के प्रावधान के माध्यम से स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, कुम्हारों, बुनकरों, हथकरघा बुनकरों आदि को आजीविका के बेहतर अवसर प्रदान करना है। इस योजना में देशभर में रेलवे स्टेशनों पर बिक्री केंद्रों के प्रावधान के माध्यम से स्वदेशी/स्थानीय उत्पादों जैसे शिल्पकला, हस्तशिल्प, वस्त्र और हथकरघा, खिलौने, चमड़े के उत्पाद, पारंपरिक उपकरण/औजार, परिधान, रत्न और आभूषण, प्रसंस्कृत/अर्ध-प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों आदि को प्रदर्शित करने, बेचने और उन्हें अधिकतम दृश्यता प्रदान करने की परिकल्पना की गई है।

दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार, 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 1740 स्टेशनों पर कुल 2055 'एक स्टेशन एक उत्पाद' आउटलेट संचालित किए जा रहे थे। इस योजना के तहत कुल 1,51,181 प्रत्यक्ष लाभार्थियों ने इसका लाभ उठाया है। 25.03.2022 से 30.06.2026 की अवधि के दौरान, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' केंद्रों पर 158.86 करोड़ रु. मूल्य की कुल बिक्री दर्ज की गई है। भारतीय रेल इस योजना का और अधिक विस्तार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

दतिया और भिंड स्टेशन 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत आते हैं। दतिया के स्थानीय उत्पाद जैसे हाथ से बनी पूजा सामग्री, बेकरी उत्पाद और कॉयर उत्पाद (टोकरी, चटाई, ब्रूम मेकर, आदि) और भिंड के स्थानीय उत्पाद जैसे बड़ी, पापड़, बेकरी उत्पादों का विपणन 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत किया जा रहा है।

****